स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय–ललितपुर उत्तर प्रदेश

शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग

स्वैच्छिक देह दान अभिलेख प्राप्ति प्रपत्र

(उनके लिये जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं.)

यह कामना कि मेरा MORATL अवशेष मृत्यु के बाद एनाटॉमी विभाग, स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय–ललितपुर उ.प्र. को मानव कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रोद्योगिकी जगत में उन्नति के लिए कराया जाये।

आवेदन प्राप्ति एवं पंजीकरण,सूचना पर्ची

पत्रांक 05/ANA/2024 दिनांक 14/11/2024

प्रिय श्री/श्रीमति/कु० KHUSHAL CHANDRA SAHU आपकी वसीयत (मृत्यु के बाद शरीर दान करने की इच्छा) अत्यन्त कृतज्ञता पूर्वक विभाग में पंजीकत कर दी गई।

कम संख्या 05 कृपया भविष्य में किसी भी पत्राचार में इस कमांक का उल्लेख अवश्य करें।

मृत्यु के मामले में दिशा निर्देशानुसार सूचना यथाशीघ्र (1/2 घंटे के अंदर) भेजी जानी चाहिये। देहदान कर्ता के मरणोपरांत दूरभाष द्वारा सूचना तत्काल निम्नांकित नंबरों/विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी विभाग को दें।

(विशेष परिस्थितियों में सी.यू.जी. नंबर या विभागाध्यक्ष से बात न होने की दशा में जिले के जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी या मुख्य चिकित्साधिकारी से सम्पर्क कर सूचित करें)

विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी विभाग सम्पर्क, मोबाइल नं. 9105589254

विभागीय सी.यू.जी. नंबर 05176297644 / ....

प्रिंसिपल/स्टैनो मोबाइल नं. 9415030192 / ....

14/11/24

PRINCIPAL
Autonomous State Medical College
Lalitpur

विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी विभाग

स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय--ललितपुर

अनूठी पहल : पत्नी का शव मेडिकल कॉलेज को दान देकर पति ने भरा देह दान का संकल्प पत्र

प्रेरणादायक पहल ने दी समाज को एक नई दिशा : डॉ. दिजेन्द्र नाथ

ललितपुर ब्यूरो : कुछ लोगों का संकल्प बुहतु के साथ ही सक्र शरीर के मिट्टी में मिल जाने की बात का झुटला देना है। ऐसा ही उदाहरण है, ललितपुर निवासी सुसालदांद साहू की पत्नी शांन्ति देवी का। जिगत हिनी उनका कानपुर में इद्वाय हो गया, पत्ती के संकल्प को पूरा करते हूए पति ने उनका शरीर कानपुर ब आगत्रा मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया, और खुद सुसाल दंद साहू ने भी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविधालय को देहदान करने का फैसाला किया है, गुरूवार को उन्होंने मेडिकल नाथ एवं एमालेंजी विभागाध्यक्ष डॉ. विपरुदत्त गाण्डेय के समक्ष देहदान व अंगदान का शपथ पत्र कॉलिंज के डीन को सौंपा। प्रधानाचार्य डॉ. डीं. नाथ सपा नेता के इस साहसिक कार्य की प्रशंसा करने से नहीं रहे साहे, उन्होंने कहा कि स्वध्यान्न, देहदान और अंगदान ये तो शब्द हैं जो न केवल जीवन को बचाते हैं. बल्कि समाज में एक उच्च आदेर्श भी पेताते हैं। अगर, हर व्यक्ति इन महान कार्यों को अपनाए, तो कितनी जिंदगियों को नया जीवन मिल सकता है, इसी सोच को साकार करने के लिए पत्ती के बाद पति ने अपनी देहदान एवं अंगदान करने का संकल्प पत्र भर कर अपनी इस प्रेरणादायक पहल से समाज को एक नई दिशा दी है। इस मौके पर सीएमएस डॉ. मीनाक्षी सिंह, डॉ. मधुरेंन्द सिंह, डॉ. औमेक सिंह, डॉ. बुलि सिंह, भरत कुमार, मुजफ्ड र खान, मयंक पटेरेया, जमील सिंह लोधी, हरेश यादव मुखिया, एनऐस पावन, मोती सूरुला, धात्रु स्कसेया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघ्न यादव.

ललितपुर : मेडिकल कॉलिज प्रधानाचार्य से देहदान प्रमाण पत्र ग्रहण करते सुह्मालदास साहू।

ताकि ... दूसरों के शरीर में जिन्दा रहें अंग

एमालॉम्री विभागाध्यक्ष डॉ. विपशूदत नाथर्हेन्न ने बताया कि देहदान व अंगदान पत्र भंगदान पत्र भरने वाले की मृत्यु उपरांन्त बिना किसी प्रकार का विलष्ब किये तत्काल विभाग को सूचना दी जाती है, चिकित्सा विशेषज्ञों की राय से जो भी अंग उपयोगी हो, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायंगे, ताकि जरूरतमंदो को ट्रांन्सप्लणंट हो सकें और शरीर रचना विज्ञान ह्रिजाग के-समाज में चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण व परोपकार की भावना साकार हो सके।

INDIA NON JUDICIAL

Government of Uttar Pradesh

e-Stamp

IN-UP58931260898964W

SOHAN PUROHIT SADAR LALITPUR ACC CODE: UP14518104

Certificate No.	:	IN-UP58931260898964W
Certificate Issued Date	:	13-Nov-2024 11:53 AM
Account Reference	:	NEWIMPACC (SV)/ up14518104/ LALITPUR SADAR/ UP-LTP
Unique Doc. Reference	:	SUBIN-UPUP14518104146780288068 31W
Purchased by	:	KHUSHAL CHANDRA SAHU SO PANNALAL SAHU
Description of Document	:	Article 4 Affidavit
Property Description	:	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	:	
First Party	:	KHUSHAL CHANDRA SAHU SO PANNALAL SAHU
Second Party	:	Not Applicable
Stamp Duty Paid By	:	KHUSHAL CHANDRA SAHU SO PANNALAL SAHU
Stamp Duty Amount(Rs.)	:	10 (Ten only)

NOTARIAL STAMP Rs 10 13-11-24

KAILASH NARAIN PUROHIT Advocate Notary Public Distt. LALITPUR (U.P.)

NOTARY Kailash Narayan Purohit Advocate Reg. No.-4657/07 LALITPUR (U.P.) GOVT. OF INDIA

Please write or type below this line

शपथपत्र

समक्ष – श्रीमान विभागध्यक्ष महोदय

शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर

देहदान एवं अंगदान, वसीयत

(बुद्धं शरणं गच्छामि)

मैं खुशाल चन्द्र साहू पुत्र श्री पन्नालाल साहू आयु करीब 62 साल, निवासी, 618/6 तालाबपुरा, डोंड़ाघाट, ललितपुर उ.प्र., पिन-284403 का हूँ, मेरा आधार नं. 9109 5461 1254 है।

इस देहदान एवं अंगदान, वसीयत को मेरी अंतिम इच्छा माना जाये जिसे मैं अपनी स्वेच्छा से बिना किसी दबाव के लिख रहा हूँ। जिसका जनहित में पूर्ण रूप से अक्षरशः अनुपालन किया जाए।

इस वसीयत का मुख्य उद्देश्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति हेतु किया जाने वाला जन कल्याण एवं परोपकार है।

मेरी इच्छा है कि मेरी मृत्यु के बाद किसी प्रकार का विलम्ब किये बिना तत्काल विभाग को सूचना दी जाये ताकि चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में मेरे जो भी अंग उपयोगी हों ऐसे सभी अंग समय से निकाल कर सुरक्षित कर लिये जायें ताकि जरूरतमंदों को ट्रांसप्लांट हो सकें।

मैं घोपित करता हूँ कि मेरी मृत्यु के वाद मेरी देह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर जिला ललितपुर उ०प्र० के सुपुर्द कर दी जाये। मैंने अपने सभी परिजनों व मित्रों को वसीयत के बारे में बता दिया है। मेरे बच्चों का दायित्व है कि निष्ठा पूर्वक मेरी इच्छा का अनुपालन करें। तथा गवाह भी इस जनकल्याणकारी कार्य में पूर्ण सहयोग करें।

नमो बुद्धाय!

परिवारिक सहमति 1- आशीष साहू (पुत्र)

2- अनामिका साहू (पत्नी)

गवाह-

गवाह-

कैलाश नारायण पुरोहित (एडवोकेट) नोटरी पब्लिक ललितपुर (उ०प्र०) रजि० नं०-4657/07

13-11-24

संलग्न - आवेदन पत्र

The authenticity of this Stamp certificate should be verified at 'www.shcilestamp.com' or using e-Stamp Mobile App of Stock Holding. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website / Mobile App renders it invalid. The onus of checking the legitimacy is on the users of the certificate. In case of any discrepancy, please inform the Competent Authority.

सत्यमेव जयते

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

ORGAN DONATION

PLEDGE CERTIFICATE

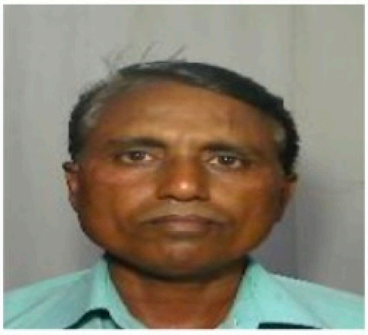

Khushalchandra

मैं, चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड द्वारा मृत (ब्रेनस्टेम/कार्डियक) घोषित किए जाने के बाद चिकित्सीय उद्देश्य के लिए अपने शरीर से उल्लिखित अंगों और/या ऊतकों को निकालने के लिए स्पष्ट रूप से अधिकृत करता हूं।

I, hereby unequivocally authorise the removal of the mentioned Organ(s) and /or Tissue(s) from my body for therapeutic purpose after being declared (BrainStem/ Cardiac) dead by the board of medical experts.

Father's/Husband's Name पिता/पति का नाम	**Pannalal**		
ABHA Number आभा संख्या	**91-2367-5464-4680**	Blood Group ब्लड ग्रुप	**B+**
NOTTO ID	**D257737931062**	Emergency Contact Number आपातकालीन संपर्क नंबर	**7897820592**
Organs अंग	**Liver, Kidney, Heart, Lungs, Intestine, Pancreas**		
Tissues ऊतक	**Bone, Heart Valve, Skin, Cornea, Cartilage, Blood Vessels**		
Other organs and tissues अन्य अंग और ऊतक	✓		
Date of Issuance जारी करने की तिथि	**22 May 2025**		

जीवन के बाद भी जीने का अवसर

An opportunity to live after life

प्रधानाचार्य
स्वशासी राज्य चिकित्सा महा
ललितपुर (उ.प्र.)

दैनिक
जन भविष्य

देहदान व अंगदान मनुष्य जीवन का सर्वोच्च कार्य : डा. डी.नाथ

स्वशाषी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर को दान की देह व अंग

ललितपुर। बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम पिपरीआ बुर्जुर्ग से मुहल्लाल के मोहल्ला तालाबपुरा में बसकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रह रहे खुशालचंद साहू समाजवादी पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। विगत दिनों खुशालचंद साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शान्तिदेवी साहू का कार्डियोलॉजी कानपुर में निधन होने के उपरान्त उनका पार्थिव शरीर भी कानपुर व आगरा मेडिकल कालेज को दान कर दिया था, जिससे कि शल्य चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे राष्ट्र के भविष्य मेडिकल छात्रों को नई तकनीकियों की जानकारी हो सके।

ऐसे विषम समय में इतना बड़ा फैसला लेना हृदय को हिमालय की तरह विशाल करने वाला था। इसी राह पर आगे बढ़ते हुये अब खुशालचंद साहू ने स्वयं के शरीर की रचना को स्वशाषी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर में देहदान व अंगदान करने का फैसला किया है। इस घोषणा को अमल में लाने के लिए खुशालचंद साहू ने अपनी देहदान व अंगदान का शपथ पत्र शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विष्णु दत्त पाण्डेय के समक्ष मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा.डी.नाथ को सौंपा। इस पत्र में उन्होंने अपने पुत्रों व पुत्री और नाते-रिश्तेदारों से इस जनकल्याणकारी कार्य को पूर्ण कराने का इकरार देते हुये विशेष उल्लेख किया है।

उन्होंने देहदान और अंगदान को अपनी अंतिम इच्छा स्वीकार करते हुये इसे ही अपनी वसीयत बताया। ताकि जनहित में मानव कल्याण और परोपकार के लिए इसका उपयोग किया जा सके। यह भी बताया कि उनकी मृत्यु उपरान्त बिना किसी प्रकार का विलम्ब किये तत्काल विभाग को सूचना देते हुये चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में जो भी अंग उपयोगी हों, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायें, ताकि जरूरतमंदों को ट्रान्सप्लान्ट हो सकें। ताकि शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण व परोपकार की भावना साकार हो सके। इस वसीयत को सौंपने के दौरान सीएमएस डा.मीनाक्षी सिंह, डा देश निधि सिंह, डा मायुरेन्द्र सिंह, डा.योगेन्द्र सिंह, डा स्वाति सिंह, भरत कुमार, मुजफ्फर खान, मयंक पटैरया, श्रीमति ज्योति सिंह लोधी, हृदेश यादव मुखिया, परवेज पठान, मोंटी शुक्ला, भाव सतभैया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघ्न यादव, संतोष खजुरिया, सुनील साहू आदि मौजूद रहे।

स्वशाषी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय को दान की देह व अंग

वरिष्ठ सपा नेता खुशालचन्द्र साहू के फैसले की हो रही सर्वत्र सराहना

स्पष्ट आवाज | ललितपुर

बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिगलौआ बुरौगांव से मुख्यालय के मोहल्ला तालाबपुरा में बसकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रह रहे खुशालचंद्र साहू समाजवादी पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। विगत दिनों खुशालचंद्र साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शान्तिदेवी साहू का कॉर्डियोलॉजी कानपुर में निधन होने के उपरान्त उनका पार्थिव शरीर भी कानपुर व आगरा मेडीकल कॉलेज को दान कर दिया था, जिससे कि शल्य चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे राष्ट्र के भविष्य मेडिकल छात्रों को नई तकनीकियों की जानकारी हो सके। ऐसे विषम समय में इतना बड़ा फैसला लेना हृदय को हिमालय की तरह विशाल करने वाला था। इसी राह पर आगे बढ़ते हुये अब खुशालचंद्र साहू ने स्वयं के शरीर की रचना को स्वशाषी राजकीय चिकित्साय महाविद्यालय ललितपुर में देहदान व अंगदान करने का फैसला किया है। इस घोषणा को अमल में लाने के लिए खुशालचंद्र साहू ने अपनी देहदान व अंगदान का शपथ पत्र शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विष्णु दत्त पाण्डेय के समक्ष मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डा.डी.नाथ को सौंपा। इस पत्र में उन्होंने अपने पुत्रों व पुत्री और नाते-रिश्तेदारों से इस जनकल्याणकारी कार्य को पूर्ण करने का हवाला देते हुये विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने देहदान और अंगदान को अपनी अंतिम इच्छा स्वीकार करते हुये इसे ही अपनी वसीयत बताया। ताकि जनहित में मानव कल्याण और परोपकार के लिए इसका उपयोग किया जा सके। यह भी बताया कि उनकी मृत्यु उपरान्त बिना किसी प्रकार का विलम्ब किये तत्काल विभाग को सूचना देते हुये चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में जो भी अंग उपयोगी हों, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायें, ताकि जरूरतमंदों को ट्रान्सप्लाण्ट हो सकें। ताकि शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण व परोपकार की भावना साकार हो सके। इस वसीयत को सौंपने के दौरान सीएमएस डा.मीनाक्षी सिंह, डा देश निधि सिंह, डा मधुरेन्द्र सिंह, डा योगेन्द्र सिंह, डा श्रुति सिंह, भरत कुमार , मुजफ्फर खान, मयंक पटैरयाज्योति सिंह लोधी, हृदेश यादव मुखिया, परवेज पठान, मोंटी शुक्ला, चारु सतभैया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघ्न यादव, संतोष खजुरिया, सुनील साहू, आदि मौजूद रहे।

धारा लक्ष्य समाचार

ललितपुर/पीलीभीत/लखनऊ/हाथरस

• बाराबंकी

देहदान व अंगदान मनुष्य जीवन का सर्वोच्च कार्य : डॉ. डी.नाथ

- स्वशाषी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर को दान की देह व अंग
- वरिष्ठ सपा नेता खुशालचन्द्र साहू के इस फैसले की हो रही सर्वत्र सराहना

धारा लक्ष्य समाचार

ललितपुर। बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिगलौआ बुरौगांव से मुख्यालय के मोहल्ला तालाबपुरा में बसकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रह रहे खुशालचंद्र साहू समाजवादी पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं।

विगत दिनों खुशालचंद्र साहू की धर्मपत्नी शान्तिदेवी साहू का कॉर्डियोलॉजी कानपुर में निधन होने के उपरान्त उनका पार्थिव शरीर भी कानपुर व आगरा मेडीकल कॉलेज को दान कर दिया था, जिससे कि शल्य चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे राष्ट्र के भविष्य मेडिकल छात्रों को नई तकनीकियों की जानकारी हो सके। ऐसे विषम समय में इतना बड़ा फैसला लेना हृदय को हिमालय की तरह विशाल करने वाला था। इसी राह पर आगे बढ़ते हुये अब खुशालचंद्र साहू ने स्वयं के

शरीर की रचना को स्वशाषी राजकीय चिकित्साय महाविद्यालय ललितपुर में देहदान व अंगदान करने का फैसला किया है। इस घोषणा को अमल में लाने के लिए खुशालचंद्र साहू ने अपनी देहदान व अंगदान का शपथ पत्र शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विष्णु दत्त पाण्डेय के समक्ष मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डा.डी.नाथ को सौंपा। इस पत्र में उन्होंने अपने पुत्रों व पुत्री और नाते-रिश्तेदारों से इस जनकल्याणकारी कार्य को पूर्ण करने का हवाला देते हुये विशेष उल्लेख किया है।

उन्होंने देहदान और अंगदान को अपनी अंतिम इच्छा स्वीकार करते हुये इसे ही अपनी वसीयत बताया। ताकि जनहित में मानव कल्याण और परोपकार के लिए इसका उपयोग किया जा सके। यह भी बताया कि उनकी मृत्यु उपरान्त बिना किसी प्रकार का विलम्ब किये तत्काल विभाग को सूचना देते हुये चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में जो भी अंग उपयोगी हों, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायें, ताकि जरूरतमंदों को ट्रान्सप्लाण्ट हो सकें। ताकि शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण व परोपकार की भावना साकार हो सके। इस वसीयत को सौंपने के दौरान सीएमएस डा.मीनाक्षी सिंह, डा देश निधि सिंह, डा मधुरेन्द्र सिंह, डा योगेन्द्र सिंह, डा श्रुति सिंह, भरत कुमार , मुजफ्फर खान, मयंक पटैरया, श्रीमति ज्योति सिंह लोधी, हृदेश यादव मुखिया, परवेज पठान, मोंटी शुक्ला, चारु सतभैया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघ्न यादव, संतोष खजुरिया, सुनील साहू, आदि मौजूद रहे।

देहदान व अंगदान मनुष्य जीवन का सर्वोच्च कार्य : डा. डी.नाथ

स्वशाषी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर को दान की देह व अंग

ललितपुर। बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिगलौआ बुरौगांव से मुख्यालय के मोहल्ला तालाबपुरा में बसकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रह रहे खुशालचंद्र साहू समाजवादी पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। विगत दिनों खुशालचंद्र साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शान्तिदेवी साहू का कॉर्डियोलॉजी कानपुर में निधन होने के उपरान्त उनका पार्थिव शरीर भी कानपुर व आगरा मेडीकल कॉलेज को दान कर दिया था, जिससे कि शल्य चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे राष्ट्र के भविष्य मेडिकल छात्रों को नई तकनीकियों की जानकारी हो सके। ऐसे विषम समय में इतना बड़ा फैसला लेना ह्रदय को हिमालय की तरह विशाल करने वाला था। इसी राह पर आगे बढ़ते हुये अब खुशालचंद्र साहू ने स्वयं के शरीर की रचना को स्वशाषी राजकीय चिकित्साय महाविद्यालय ललितपुर में देहदान व अंगदान करने का फैसला किया है। इस घोषणा को

अमल में लाने के लिए खुशालचंद्र साहू ने अपनी देहदान व अंगदान का शपथ पत्र शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विष्णु दत्त पाण्डेय के समक्ष मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डा.डी.नाथ को सौंपा। इस पत्र में उन्होंने अपने पुत्रों व पुत्री और नाते-रिश्तेदारों से इस जनकल्याणकारी कार्य को पूर्ण करने का हवाला देते हुये विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने देहदान और अंगदान को अपनी अंतिम इच्छा स्वीकार करते हुये इसे ही अपनी वसीयत बताया। ताकि जनहित में मानव कल्याण और परोपकार के लिए इसका उपयोग किया जा सके। यह भी बताया कि उनकी मृत्यु उपरान्त बिना किसी प्रकार का विलम्ब किये तत्काल विभाग को सूचना देते हुये चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में जो भी अंग उपयोगी हों, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायें, ताकि जरूरतमंदों को ट्रान्सप्लाण्ट हो सकें। ताकि शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण व परोपकार की भावना साकार हो सके। इस वसीयत को सौंपने के दौरान सीएमएस डा.मीनाक्षी सिंह, डा देश निधि सिंह, डा मधुरेन्द्र सिंह, डा योगेन्द्र सिंह, डा श्रुति सिंह, भरत कुमार , मुजफ्फर खान, मयंक पटैरया, श्रीमति ज्योति सिंह लोधी, ह्रदेश यादव मुखिया, परवेज पठान, मोंटी शुक्ला, चारु सतभैया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघ्न यादव, संतोष खजुरिया, सुनील साहू, आदि मौजूद रहे।

वा समिति द्वारा आयोजित सात दिवसीय

देहदान व अंगदान मनुष्य जीवन का सर्वोच्च कार्य : डा. डी.नाथ

संवाददाता, ललितपुर। बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिगलौआ बुरौगांव से मुख्यालय के मोहल्ला तालाबपुरा में बसकर अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रह रहे खुशालचंद्र साहू समाजवादी पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। विगत दिनों खुशालचंद्र साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शान्तिदेवी साहू का कॉर्डियोलॉजी कानपुर में निधन होने के उपरान्त उनका पार्थिव शरीर भी कानपुर व आगरा मेडीकल कॉलेज को दान कर दिया था, जिससे कि शल्य चिकित्सा एवं विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे राष्ट्र के भविष्य मेडिकल छात्रों को नई तकनीकियों की जानकारी हो सके। ऐसे विषम समय में इतना बड़ा फैसला लेना हृदय को हिमालय की तरह विशाल करने वाला था। इसी राह पर आगे बढ़ते हुये अब खुशालचंद्र साहू ने स्वयं के शरीर की रचना को स्वशाषी राजकीय चिकित्साय महाविद्यालय ललितपुर में देहदान व अंगदान करने का फैसला किया है। इस घोषणा को अमल में लाने के लिए खुशालचंद्र साहू ने अपनी देहदान व अंगदान का शपथ पत्र शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग के विभागाध्यक्ष डा. विष्णु दत्त पाण्डेय के समक्ष मेडीकल कॉलेज के प्राचार्य डा.डी.नाथ को सौंपा। इस पत्र में उन्होंने अपने पुत्रों व पुत्री और नाते-रिश्तेदारों से इस जनकल्याणकारी कार्य को पूर्ण करने का हवाला देते हुये विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने देहदान और अंगदान को अपनी अंतिम इच्छा स्वीकार करते हुये इसे ही अपनी वसीयत बताया। ताकि जनहित में मानव कल्याण और परोपकार के लिए इसका उपयोग किया जा सके। यह भी बताया कि उनकी मृत्यु उपरान्त बिना किसी प्रकार का विलम्ब किये तत्काल विभाग को सूचना देते हुये चिकित्सा विशेषज्ञों की राय में जो भी अंग उपयोगी हों, ऐसे सभी अंग समय से निकालकर सुरक्षित कर लिये जायें, ताकि जरूरतमंदों को ट्रान्सप्लाण्ट हो सकें। ताकि शरीर रचना विज्ञान विभाग के माध्यम से चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी जगत की उन्नति के लिए किये जाने वाले जनकल्याण

व परोपकार की भावना साकार हो सके। इस वसीयत को सौंपने के दौरान सीएमएस डा.मीनाक्षी सिंह, डा देश निधि सिंह, डा मधुरेन्द्र सिंह, डा.योगेन्द्र सिंह, डा श्रुति सिंह, भरत कुमार, मुजफ्फर खान, मयंक पटैरया, श्रीमति ज्योति सिंह लोधी, हृदेश यादव मुखिया, परवेज पठान, मोंटी शुक्ला, चारु सतभैया, रामप्रताप सिंह, शत्रुघन यादव, संतोष खजुरिया, सुनील साहू आदि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य
स्वशासी राज्य
ललितपुर

बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही।

बाल दिवस पर देहदान व अंगदान पत्र सौंपेंगे खुशालचंद्र साहू

नवदीप संदेश ब्यूरो

ललितपुर। मनुष्य जीवन में सबसे बड़ा कर्म मानवता को माना गया है। इसी मानवीय कर्म का निर्वाह्ल करते हुये जनकल्याण एवं परोपकार की भावना के साथ तालाबपुरा निवासी खुशालचंद्र साहू पुत्र पन्नालाल साहू जो कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं ने मृत्यु उपरान्त देहदान एवं अंगदान करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले को शपथ पत्र रूपी कागज पर अंकित कराकर उन्होंने 14 नवम्बर बाल दिवस के अवसर पर स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के विभागाध्यक्ष शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. डी. नाथ के समक्ष सौंपने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का लोगों ने जनहित व मानव कल्याण की इस परोपकारी भावना का खुले ह्लदय से स्वागत किया है। यहां यह भी बताते चलें कि विगत कुछ दिनों पहले ही खुशालचंद्र साहू ने अपनी पत्नी का देहदान व अंगदान कानपुर मेडीकल कॉलेज के लिए किया था।

अधिकतम तापमान 30 » न्यूनतम तापमान 17 » सूर्योदय 06:41 » सूर्यास्त 17:28 » डॉलर 84.39 » यूरो 89.75 »

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
अवध की जंग

वर्ष : 13 ■ अंक : 187 ■ RNI No : UPHIN/2012/49131 ■ सुल्तानपुर, बृहस्पतिवार, 14 नवम्बर 2024 ■ पेज : 8 ■ मूल्यः 1 रूपया

बाल दिवस पर देहदान व अंगदान पत्र सौंपेंगे खुशालचंद्र साहू

अवध की जंग (ब्यूरो)

ललितपुर। मनुष्य जीवन में सबसे बड़ा कर्म मानवता को माना गया है। इसी मानवीय कर्म का निर्वाह्न करते हुये जनकल्याण एवं परोपकार की भावना के साथ तालाबपुरा निवासी खुशालचंद्र साहू पुत्र पन्नालाल साहू जो कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं ने मृत्यु उपरान्त देहदान एवं अंगदान करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले को शपथ पत्र रूपी कागज पर अंकित कराकर उन्होंने 14 नवम्बर बाल दिवस के अवसर पर स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के विभागाध्यक्ष शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग को महाविद्यालय के प्राचार्य डा.डी.नाथ के समक्ष सौंपने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का लोगों ने जनहित व मानव कल्याण की इस परोपकारी भावना का खुले हृदय से स्वागत किया है। यहां यह भी बताते चलें कि विगत कुछ दिनों पहले ही खुशालचंद्र साहू ने अपनी पत्नी का देहदान व अंगदान कानपुर मेडीकल कॉलेज के लिए किया था।